

'सेवा संकल्प अभियान' 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक मनाया जाएगा : मुख्यमंत्री

पटना, संवाददाता। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' तथा बिहार में 17 सितंबर से 31 मार्च 2027 तक चलाए जाने वाले 'मेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों से संबंधित प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 13 महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर को बिहार के सभी जिलों, अनुमंडलों, प्रखंड, पंचायत एवं बुथ स्तर पर दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें 'आशीर्वाद से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। 'सेवा क्षेत्र' कार्यक्रम के तहत 25 सितंबर से 1 अक्टूबर तक सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में सात दिनों तक चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 'सेवा स्मरण' कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों पर संगीत एवं नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति कर प्रधानमंत्री आदर्णीय नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के कार्यकाल में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं किए गए विकास कार्यों से देश में आए बदलाव की जानकारी लोगों को दी जाएगी। 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगा। इसके तहत प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर तीन दिनों तक कार्यक्रम आयोजित कर आंगनबाड़ी कर्मियों को सम्मानित करने के साथ-साथ बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 'कहानी बदलाव की' कार्यक्रम के तहत 25 लाख लोगों के



- सेवा संकल्प अभियान तथा सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान की तैयारी को लेकर मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक
- 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जनभागीदारी से सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे
- 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' 17 सितंबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक चलेगा
- इसके तहत पुरानी परिसंपत्तियों का उन्नयन, सुदृढीकरण एवं मरम्मत तथा नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा

अनुभवों को रिल्स एवं वीडियो के माध्यम से साझा किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री आदर्णीय नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों से बिहार एवं लोगों के जीवन में आए बदलाव को प्रदर्शित किया जाएगा। 'सेवा ज्योति यात्रा' के तहत सेवा ज्योति एवं मशाल जलाकर यात्रा निकाली जाएगी। इसके माध्यम से पिछले 25 वर्षों में किए गए सेवा कार्यों के लिए आधार व्यक्त किया जाएगा तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया जाएगा। 'वडंगर से वाराणसी कार्यक्रम के अंतर्गत 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। इसके तहत बाइक सवार टोलियां वडनगर से काशी पहुंचेंगी और बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगी। इसके बाद वाराणसी से गंगाजल लेकर

बाइक सवार टोलियां वडनगर लौटेंगी। 'सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक स्वच्छता, विकास एवं सौंदर्यकरण से संबंधित 25 प्रकार की सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 'सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार के तहत 6 अक्टूबर को पूरे बिहार में प्रखंड स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में पूर्व से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदनों का निष्पादन किया जाएगा। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। 'सेवा के रंग-रंगोली' कार्यक्रम के तहत स्थानीय रंग एवं शैली के माध्यम से प्रधानमंत्री आदर्णीय नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित जनकल्याणकारी

योजनाओं पर आधारित रंगोली एवं भारत मंडला तैयार किए जाएंगे। इसमें फूल, मिट्टी, रेत, चावल, पत्ते एवं प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 'हैकार्थन एवं इनेवेशन चैलेंज', 'जनसेवक महाकुंभ पंचायत से पार्लियामेंट' तथा '25 साल की 25 कहानियां-राष्ट्रीय अनर्बोकिंग' जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री के समक्ष 17 सितंबर से 31 मार्च 2027 तक चलने वाले 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दो मुख्य उद्देश्य हैं- पूर्व से अवस्थित परिसंपत्तियों का उन्नयन, सुदृढीकरण एवं मरम्मत तथा नई आधारभूत संरचनाओं एवं परिसंपत्तियों का

निर्माण। पूर्व से अवस्थित परिसंपत्तियों के उन्नयन, सुधार एवं मरम्मत के तहत साफ-सफाई, रंग-रोगन, रखरखाव, पेयजल, बिजली एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित कार्य 30 नवंबर 2028 तक पूर्ण किए जाएंगे। वहीं नई आधारभूत संरचनाओं एवं परिसंपत्तियों का निर्माण कार्य 31 मार्च 2027 तक पूरा किया जाएगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान वित्तीय संसाधनों के स्रोत, ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं की पहचान, ग्राम सभा, विभागवार प्रमुख कार्य तथा अनुश्रवण एवं निगरानी तंत्र के संबंध में भी मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सेवा मेरा योगदान' के तहत स्वच्छता, विकास एवं सौंदर्गीकरण के कार्यक्रम में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम-से-कम दो स्थानों पर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान 13 थीम पर आधारित है और इसके तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। सभी मंत्री एवं अधिकारी इन कार्यक्रमों की विशेष रूप से तैयारी करें। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री आदर्णीय नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों एवं संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्णीय नरेंद्र मोदी को कार्यकाल में बिहार में लगभग 50 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत भी बड़ी संख्या में पक्के मकान बनाए गए हैं। बिहार में करोड़ों लोगों को राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का लाभ मिला है। इन उपलब्धियों की जानकारी भी आम लोगों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत निर्धारित कार्यक्रमों एवं कार्यों की समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।



बगदाद, एजेंसी। इराकी अधिकारियों ने हाल में सऊदी अरब की एक प्रमुख तेल पाइपलाइन पर हुए ड्रोन हमलों की जांच में सुरक्षा और प्रशासनिक उल्लंघन सामने आने के बाद शनिवार को कई सीमा चौकियों को अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश दिया। इराकी प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने घटना के बाद मैसान ऑपरेशंस कमांड की कार्रवाई की जांच के आदेश दिये और उसके सैन्य कमांडर को बर्खास्त कर दिया। इराक के सुरक्षा मीडिया प्रकोष्ठ ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा अधिकारियों ने कई सीमा चौकियों पर 'प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी व्यवस्था' लागू करना शुरू कर दिया है, जिसके तहत उन्हें अस्थायी रूप से बंद किया गया है। बयान में कहा गया कि अधिकारियों ने "कई आवश्यक कानूनी कदम" उठाने के साथ खुफिया जानकारी जुटाने, जांच और निरीक्षण तेज कर दिए हैं, ताकि सामने आये उल्लंघनों की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। प्रकोष्ठ ने कहा कि इन कदमों का उद्देश्य उचित समाधान तलाशना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकना है। सुरक्षा मीडिया प्रकोष्ठ ने यह नहीं बताया कि किन सीमा चौकियों को बंद किया गया है, कौन से उल्लंघन सामने आये हैं या ये चौकियां कितने समय तक बंद रहेंगी। हालांकि, उसने पुष्टि की कि ईरान की सीमा पर स्थित जुर्बतिया और अल-मुहिरीया सीमा चौकियां यात्रियों के आवागमन के लिए खुली हैं। ये कदम बगदाद की शुक्रवार को की गयी उस पुष्टि के एक दिन बाद उठाये गये हैं, जिसमें कहा गया था कि सऊदी शुरुव पर हमलों में

इस्तेमाल किये गये ड्रोन दक्षिणी प्रांत मैसान से छोड़े गये थे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, श्री अल-जैदी ने जोर देकर कहा कि सरकार "ऐसी किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी, जिससे इराक या मित्र देशों के साथ उसके संबंध खतरे में पड़ें।" उन्होंने इराकी क्षेत्र से इस तरह के हमले दोबारा न होने देने के लिए कदम उठाने की बगदाद की प्रतिबद्धता भी दोहरायी। यह घटनाक्रम यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की बड़ी बढ़त के बीच सामने आया है, जिससे वैश्विक तेल परिवहन मार्गों पर दबाव बढ़ गया है। इस बीच अमेरिका-ईरान युद्ध सातवें महीने में प्रवेश कर चुका है। सऊदी अरब ने शुक्रवार को कहा था कि उसकी ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन को इराक से आये ड्रोन ने कई बार निशाना बनाया। हमलों में रियाद और मदीना क्षेत्रों को निशाना बनाया गया, जिससे कोलोनिया घायल हुए और संपत्ति को नुकसान पहुंचा। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इराकी प्रधानमंत्री के अनुरोध पर राज्य ने "इस चरण में जवाब नहीं देने" पर सहमति जतायी है और बगदाद को इराकी क्षेत्र से सऊदी अरब तथा पड़ोसी देशों के खिलाफ होने वाले हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने का समर्थन दिया है। सऊदी अरब ने चेतावनी दी कि वह अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, नागरिकों और निवासियों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि गुप्तवात को हूी हमलों के बाद एहतिायती कदम के तौर पर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन को बंद करना पड़ा।

सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

पटना, संवाददाता। बिहार के विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार के लिए बिहार लोक भवन ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। राज्यपाल सचिवालय की ओर से शनिवार को जारी सूचना के अनुसार, समिति राज्य के विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करेगी और उसमें आवश्यक सुधार के लिए सुझाव देगी। समिति का गठन 24 अगस्त 2026 को राज्यपाल और 'ऑल पीएच.डी. होल्डर्स एंड रिसर्च एसोसिएशन' के बैनर तले अनशन कर रहे छात्रों के बीच हुए समझौते के तहत किया गया है। समिति में भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी अमरजीत सिन्हा और संजय कुमार तथा पद्मश्री प्रोफेसर एच.सी. वर्मा और डॉ. पी.के. रॉय को शामिल किया गया है। राज्यपाल सचिवालय में अपर सचिव (विश्वविद्यालय) संजय कुमार समिति के सदस्य सचिव होंगे। समिति सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करेगी। इनमें आयु सीमा, शैक्षणिक योग्यता एवं पात्रता, परीक्षा और साक्षात्कार की प्रक्रिया, विभिन्न मानकों को दिए जाने वाले सापेक्ष महत्व तथा अतिथि प्राध्यापकों से जुड़े मामलों के शामिल हैं। समिति अन्ध संबंधित विषयों की भी समीक्षा करेगी। सूचना के अनुसार, समिति अपने निष्कर्षों के साथ विशिष्ट और क्रियावन्धन योग्य अनुशंसाओं वाली रिपोर्ट अधिसूचना जारी होने की तारीख से 90 दिनों के भीतर बिहार लोक भवन को सौंपेगी।

मीडिया कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026: अमानत, दामोदर और गंगा जीती, कोयल-भैरवी का मैच ड्रॉ

रांची, संवाददाता। झारखंड के रांची प्रेस क्लब मीडिया कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ शनिवार को हो गया। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में अमानत, दामोदर और गंगा ने जीत के साथ शुरुआत की। वहीं, कोयल-भैरवी का मैच बराबरी पर खूटा। उद्घाटन समारोह में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण झारखंड के निदेशक नीरज कुमार मुख्य अतिथि और खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय झारखंड के उप निदेशक निर्भय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। पहला मैच अमानत और कारो के बीच हुआ। अमानत ने यह मुकाबला 2-1 से जीता। अमानत की तरफ से राजा मेहंदी ने दो गोल और कारो की ओर से निर्भय ने एक गोल किया। राजा मेहंदी मैन ऑफ द मैच रहे। दूसरे मुकाबले में दामोदर ने शंख को एकतरफा मुकाबले में दो 2-0 से हराया। बासुदेव मिश्रा और नवल किशोर ने एक-एक गोल किया। बासुदेव मिश्रा मैन ऑफ द मैच रहे। कोयल और भैरवी के बीच खेला गया तीसरा मुकाबला एक-एक की बराबरी पर रहा। कोयल की ओर से मोनु कुमार और भैरवी की ओर से नूतन तिकी ने गोल किया। नूतन तिकी मैन ऑफ द मैच रहे। दिन के अंतिम मुकाबले में गंगा ने अजय को 2-1 से पराजित किया। गंगा की ओर से शंकर ठाकुर और राजेश सिंह ने और अजय की ओर से संतोष गुप्ता ने गोल किया।

पीएम मोदी और शी जिनिपिंग ने व्यापार असंतुलन, सप्लाई चेन और बाजार पहुंच पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग ने शनिवार को नई दिल्ली में मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार असंतुलन, सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दों और एक-दूसरे के बाजारों तक सार्थक एवं पूर्वाभुमिप पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बाद यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने लोगों के बीच संपर्क में हुई प्रगति का स्वागत किया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापारिक संबंधों तथा दोनों देशों के नागरिकों की आवाजाही को और बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। बयान में कहा गया कि आर्थिक और व्यापारिक संबंधों पर चर्चा के दौरान दोनों नेताओं ने संरचनात्मक व्यापार असंतुलन, सप्लाई चेन से जुड़ी चिंताओं और बाजार तक बेहतर एवं भरोसेमंद पहुंच सुनिश्चित करने जैसे मुद्दों के समाधान की जरूरत पर सहमति



जताई। यह द्विपक्षीय बैठक नई दिल्ली में जारी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के इतर हुई। करीब सात वर्षों बाद राष्ट्रपति शी जिनिपिंग की भारत यात्रा वर्ष है, जब प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी की मुलाकात हुई है। इससे पहले दोनों नेताओं की मुलाकात कजान और तियानजिन में हुई थी। बैठक के दौरान राष्ट्रपति

शी जिनिपिंग ने कहा कि चीन और भारत ने द्विपक्षीय संबंधों के दीर्घकालिक विकास को रणनीतिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में भिन्नताएं होने के बावजूद वे साझा विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक-दूसरे का सहयोग और समर्थन करने में सक्षम रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान चीन के सहयोग और समर्थन के लिए राष्ट्रपति शी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब दोनों देशों के पास द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा करने का अवसर है। भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 112.16 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि 2024-25 में यह 99.21 अरब डॉलर था। इस बढ़ते घाटे ने दोनों देशों के बीच व्यापार को संतुलित और टिकाऊ बनाने की जरूरत को और प्रमुख बना दिया है।

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय (एम्बर) ने शनिवार को स्पष्ट किया कि ब्रिक्स की कोई साझा मुद्रा (ब्रिक्स करेंसी) शुरू करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। हालांकि, ब्रिक्स देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और भुगतान निपटान को बढ़ावा देने पर चर्चा लंबे समय से चल रही है और इसे द्विपक्षीय व्यापार की लागत कम करने का एक व्यावहारिक उपाय माना जा रहा है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) सुधाकर दलेला ने कहा कि वर्तमान में ब्रिक्स के भीतर किसी साझा मुद्रा को लेकर कोई औपचारिक प्रस्ताव मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि स्थानीय मुद्रा में व्यापार निपटान का विषय नया नहीं है और इस पर पिछले एक दशक से अधिक समय से विचार-विमर्श हो रहा है। दलेला ने कहा कि स्थानीय मुद्राओं में व्यापार



करने से द्विपक्षीय लेनदेन की लागत कम हो सकती है और यह वैश्विक भुगतान एवं निपटारा व्यवस्था के पूरक के रूप में काम कर सकता है। उनका कहना था कि इसका उद्देश्य मौजूदा वैश्विक वित्तीय प्रणाली का विकल्प तैयार करना नहीं, बल्कि व्यापार को अधिक सुविधाजनक, किफायती और प्रभावी बनाना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ब्रिक्स देशों के बीच चर्चा का मुख्य उद्देश्य साझा मुद्रा बनाना नहीं, बल्कि अंतर-ब्रिक्स व्यापार को बढ़ाना, भुगतान प्रणालियों को बेहतर बनाना और

कारोबारियों के लिए लेनदेन लागत कम करना है। दलेला ने कहा कि सदस्य देश द्विपक्षीय और बहुपक्षीय ढांचे के माध्यम से ऐसे तंत्र विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं जो व्यापार और निवेश को आसान बना सकें। उन्होंने बताया कि स्थानीय मुद्रा में व्यापार और भुगतान व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों के स्तर पर भी लगातार चर्चा हो रही है और इस दिशा में विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है। दलेला ने कहा कि इस वर्ष भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स सहयोग के दौरान एमएसएमई सहयोग पोर्टल, रोलोवर्क बैल्यू चेन सहयोग, लॉजिस्टिक्स प्रेमवर्क, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई), विज्ञान एवं अनुसंधान रियाजिटी और स्टार्टअप सहयोग जैसी पहलें प्रमुख उपलब्धियों के रूप में सामने आई हैं।

बिहार बाढ़ गंगा-कोसी जलस्तर दो अंतिम पटना

पटना, संवाददाता। जिले में पुनपुन नदी का सीतापुर में जलस्तर रात नौ बजे 51.83 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 50.60 मीटर से 1.23 मीटर ऊपर है। यहां जलस्तर लगातार बढ़ने का रुख है। फतेहपुर में पुनपुन 50.61 मीटर पर रही, जो चेतावनी स्तर 50.40 मीटर से 0.21 मीटर ऊपर है और यहां जलस्तर स्थिर है। कोल्हाचक में दमरा का जलस्तर 55.24 मीटर रहा, जो चेतावनी स्तर 54.48 मीटर से 0.76 मीटर ऊपर है, हालांकि खतरे के निशान 55.48 मीटर से नीचे है। कोसी नदी का जलस्तर सुपौल के वीरपुर में 75.23 मीटर रहा, जो चेतावनी स्तर 75 मीटर से 0.23 मीटर ऊपर है। बसुआ में कोसी 46.76 मीटर पर रही, जो चेतावनी स्तर 46.75 मीटर से महज

0.01 मीटर ऊपर है। खगड़िया के धरमाघाट में जलस्तर 37.16 मीटर रहा, जो चेतावनी स्तर 36.50 मीटर से 0.66 मीटर ऊपर है। बलतारा में कोसी का जलस्तर 35.06 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 33.85 मीटर से 1.21 मीटर अधिक है। कटिहार के कुसेलों में जलस्तर 31.44 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 30 मीटर से 1.44 मीटर ऊपर है। कोसी के इन सभी स्थानों पर जलस्तर स्थिर रहने का रुख दर्ज किया गया है। जल संसाधन विभाग ने जलस्तर में तेजी से कमी आने की स्थिति में तटबंधों और नदी के किनारों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिए हैं। विभाग के अनुसार पानी के अचानक घटने के दौरान नदी के किनारों पर दबाव में बदलाव से तेजी से कटाव होने की आशंका रहती है। ऐसे में संवेदनशील तटबंधों, कटाव संभावित स्थलों और नदी किनारे बसे क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने को कहा गया है।

सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत सड़क एवं रेल दुर्घटना पर चर्चा

नावकोटी.प्रखंड के विभिन्न सरकारी स्कूल में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का आयोजन किया गया.वार्षिक सारणी के अनुसार सितम्बर माह के दूसरे शनिवार को सड़क एवं रेले दुर्घटनो से होने वाले जान माल की क्षति पर विस्तार से चर्चा हुई.फोकल शिक्षक ने बताया कि बिहार में प्रति वर्ष 5 से 7 हजार मौतें सड़के दुर्घटनो में होती हैं.कहा जाता है कि जब हमे सड़के पर चल रहे होते हैं तो यह आपदा हमारे साथ साथ चलती है. थोड़ी सी असावधानी हमें दुर्घटनाग्रस्त कर सकती है. बच्चों को इस संदर्भ मे विस्तार से जानकारी दी गयी.सड़के सुरक्षा



से संबंधित विभिन्न नियमों से अवगत कराया तथा इस संदर्भ में विभिन्न सावधानियां बरतने के जरूरत पर बल दिया.घटनो दुर्घटनो के बाद की

परिस्थिति पर क्या करें एवं क्या ना करें की भी जानकारी दी. सड़के पर चलते एवं सड़के पार करते समय तथा रेल से सफर करते समय एवं रेलवे फाटक पार

करते समय नियमों का पालन करना आवश्यक है. साइकिल चलाते समये सड़के सुरक्षा संबंधी नियमो का पालन करना,दोपहिया

वाहन चलते समय चालक एवं पीछे बैठने वाले हेलमेट का प्रयोग करें. किसी भी वाहन को चलाते समय सेल्फी ना ले.थोड़ी सी सावधानी एवं धैर्य से नियमों का पालन करे सड़के रेले दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है.इस अवसर पर संजीत कुमार महतो, शंभू महतो,मनदुन महतो, अशोक कुमार शर्मा,ललन कुमार, रणधीर कुमार, देवेंद्र कुमार, इंदु कुमारी, हरिहर सहनी,शुभम कुमार, कुमुद रंजन, धर्मशील कुमार, मो मिन्नुल्लाह, अकिंत यादव, राम उदय कुमार, जमील अहमद, यासमीन अंजुम, सुशीला कुमारी विभिन्न विद्यालय के फोकल शिक्षक, बाल प्रेरक एवं सहायक

पोषण जागरूकता को लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं ने चलाया अभियान



नावकोटी. प्रखंड के छतौना में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.सीडीपीओ गुंजन मौली ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया.महिला पर्यवेक्षिका शालिनी कुमारी, पूनम कुमारी, सुनीता कुमारी, कृष्णा कुमारी को देखरेख में संयुक्त रूप से सेविकाओं ने फल अनाज और सब्जी तथा पौष्टिक आहार से रंगोली बनाकर पोषण मेला लगाया गया. सीडीपीओ ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह के तहत हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी के संकल्प के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण एवं बाल विकास गतिविधियों का प्रभावी केंद्र बनाने

पर विशेष जोर दिया गया है.आंगनबाड़ी केंद्रों पर आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन युक्त पोषण आहार और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ताजा एवं पौष्टिक भोजन को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियां आयोजित की गई.साथ ही सामुदायिक सहभागिता, स्वामित्व एवं जवाबदेही को भी बढ़ावा दिया गया.राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान बाल विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीपन, बच्चों के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं के पोषण को लेकर लोगों को जागरूक किया गया.इस अवसर पर सेविका सहायिका आदि मौजूद थीं.

जमीन विवाद में दंपती पर कुल्हाड़ी से हमला, दो गिरफ्तार नावकोठी, संवाददाता, अमित कुमार

थाना क्षेत्र के पहसारा गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में दंपती गंभीर रूप से जखमी हो गए। जख्मियों की पहचान बबलू पासवान और उसकी पत्नी सुनीता देवी के रूप में हुई है। दोनों का प्राथमिक उपचार पीपचसी नावकोठी में कराया गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय रेफर कर दिया। इस मामले में सुनीता देवी ने नावकोठी थाने में लिखित शिकायत देकर भरत पासवान, सुलेखा देवी, रूपेश कुमार और रीति कुमार पर मारपीट करने तथा कुल्हाड़ी से वार कर जख्मी करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपित रूपेश कुमार और रीति कुमार को चेरियाबरियारपुर स्थित उनके ननिहाल से हिरासत में ले लिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायालय भेज दिया गया। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। कार्रवाई में थानाध्यक्ष के अलावा एसआई प्रवीण कुमार, रंजीत कुमार, मो. इसमाइल तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस के अनुसार, जमीन विवाद से जुड़े मामले की जांच की जा रही है और घटना में शामिल अन्य आरोपितों के संबंध में भी कार्रवाई जारी है।

बरौनी डेयरी प्रबंधन के विरुद्ध केंद्रीय मंत्री की तरफ से जारी हुआ शिकायती पत्र फर्जी निकला

बरौनी/बेगूसराय/संवाददाता–महंत रामजीवन दास।

देशरत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. बरौनी डेयरी के प्रबंधन के विरुद्ध माननीय केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की तरफ से माननीय मंत्री, डेयरी विभाग ,बिहार को संबोधित एक फर्जी शिकायती पत्र जारी होने की बात संज्ञान में आयी है।प्रथम दृष्टया इस्तेमाल लेटर पैड फर्जी प्रतीत हुआ जिसमें तरह तरह के भ्रामक, अनर्गल एवं निराधार आरोप लगाकर प्रबंधन को बदनाम करने की कोशिश की गई है। इसके सत्यता की पुष्टि के लिए माननीय सचिव डेयरी एवं पशुपालन ,बिहार द्वारा जानकारी प्राप्त की गई, जिसमें जारी पत्र फर्जी होने की पुष्टि हुई । केंद्रीय मंत्री , पंचायती राज,डेयरी एवं पशुपालन , भारत सरकार ,श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह जी द्वारा उक्त जारी पत्र को जाली होने की पुष्टि करते हुए , प्राथमिकी दर्ज करारकर दोषी के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।संघ द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की गयी है.। फर्जी शिकायती पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं का बरौनी डेयरी के प्रबंध निदेशक श्री रविन्द्र कुमार द्वारा सिरे से खंडन किया गया। श्री कुमार ने बताया संघ के सभी कार्यो/गतिविधियों को पूरी पारदर्शिता एवं नियमानुसूलि संपादित कराने के लिए प्रबंधन दृढ़ संकल्पित है। कुछ स्वार्थी तत्व जिनका निजी हित पूरा नहीं हो रहा है, वे प्रबंधन को तरह तरह से बदनाम करने की कोशिश में लगे रहते हैं, किंतु हम ऐसे लोगों से डर कर अपने कर्तव्यों से पीछे हटने वाले नहीं हैं । दुग्ध संघ बरौनी के सम्मानित पशुपालकों , देवतुल्य उपभोक्ताओं और सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए डेयरी के समग्र विकास के लिए हम सतत प्रयत्नशील हैं और आगे भी रहेंगे।

नई दिल्ली, एंजेंसी। ब्रिक्स समूह की बढ़ती वैश्विक प्रसंगिकता के बीच संयुक्त राष्ट्र ने उसके महत्व को स्वीकार किया है। यूएन ने माना कि बदलते विश्व क्रम में विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने के लिए ब्रिक्स जैसे मंचों की भूमिका अहम हो गई है। इसी क्रम में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने वित्तीय और व्यापारिक असमानताओं को दूर करने के साथ आतंकवाद जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय संयोग की जरूरत पर बल दिया। ब्रिक्स के संदर्भ में यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि ग्लोबल साउथ के हितों की रक्षा के लिए यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में व्यापक सुधार किया जाए और वैश्विक व्यापार व्यवस्था को ज्यादा न्यायसंगत बनाया जाए, जिससे वह किसी खास देश समूह के पक्ष में न झुके और सभी को बराबर अवसर मिले। यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव गहन बहुपक्षवाद के समर्थक हैं और चाहते हैं कि देश आपसी तनाव कम करने के लिए क्षेत्रीय समूहों के बीच सकारात्मक



समझौते करें। उन्होंने कहा कि वैश्विक आबादी और जीडीपी के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करने के नाते ब्रिक्स की भूमिका बेहद अहम है और भारत की अध्यक्षता पुल बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में सुधार को आगे बढ़ाने के लिहाज से काफी सकारात्मक रही है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है, जिससे सभी देशों को मिलजुलकर लड़ना होगा। संयुक्त राष्ट्र के पास इसके लिए कई संस्थाएं और कार्यक्रम हैं जो सदस्य देशों की मदद करते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि इसका असर दुनिया के हर देश पर पड़ता है। वहीं,

पीपुल्स डेली के इंटरनेशनल न्यूज विभाग के संपादक मेंग शियांगलिन ने कहा कि ब्रिक्स एक बड़ा परिवार है जिसमें 11 प्लस 10 सदस्य हैं और अगली अध्यक्षता चीन की होगी, जिसकी घोषणा हमारे राष्ट्रपति ने अभी की है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की उनकी यादें बेहद शानदार रही हैं। अगले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन की अध्यक्षता को लेकर पीपुल्स डेली के संपादक मेंग शियांगलिन ने कहा कि यह एक गतिशील और चुनौतीपूर्ण समय है। पीएम मोदी को बहुत कुछ संपालना पड़ा। घोषणापत्र एक बात है और असली फैसले और उनका क्रियाच्यवन दूसरा पहलू है। चीजें योजना के मुताबिक भी हो सकती हैं

पटना : गेस्ट हाउस में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़, पांच लोग हिरासत में

पटना। पटना पुलिस और एसएसपी सेल की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (एसआईयू) की संयुक्त टीम ने राजीव नगर थाना क्षेत्र के चुरदौर इलाके में स्थित एक गेस्ट हाउस में चल रहे कथित देह व्यापार के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि छापेमारी के दौरान चार महिलाओं और एक पुरुष को हिरासत में लिया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर शनिवार को गणपति गेस्ट हाउस में अचानक

छपा मारा गया। कार्रवाई के दौरान अलग-अलग कमरों से चार महिलाओं और एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, गेस्ट हाउस से कंडोम और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है, जिन्हें कथित अवैध गतिविधियों से जुड़ा माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले करीब छह महीनों से गेस्ट हाउस में सदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों के बाद पटना पुलिस और एसआईयू की टीम

लगभग दो महीने से गेस्ट हाउस पर नजर रखे हुए थी और वहां चल रही गतिविधियों की जानकारी जुटा रही थी। शनिवार को यह सूचना मिलने के बाद कि गेस्ट हाउस के कमरों में कई पुरुष और महिलाएं मौजूद हैं, पुलिस ने इमारत को चारों ओर से घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी अभियान ग्राउंड फ्लोर से लेकर चौथी मंजिल तक चलाया गया। इस दौरान अलग-अलग कमरों में मौजूद चार महिलाओं और एक

पुरुष को हिरासत में लिया गया। हालांकि, गेस्ट हाउस का मालिक, कुछ कर्मचारी और अन्य लोग पुलिस कार्रवाई के दौरान पिछले दरवाजे से फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने मौके से बरामद सामग्री को जब्त कर सील कर दिया है और उसे जांच का हिस्सा बनाया गया है। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को राजीव नगर थाने लाया गया है, जहां महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में उनसे पूछताछ की जा रही है।



बेगूसराय

02

आभा कार्ड निर्माण को लेकर बीएलटीएफ की बैठक

नावकोटी. प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड टास्क फोर्स की बैठक शनिवार को आयोजित की गई.

इसकी अध्यक्षता बीडीओ राहुल रंजन ने किया. बैठक में आईसीडीएस,जीविका,पंचायती राज विभाग,शिक्षा विभाग और आपूर्ति विभाग सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी पदाधिकारी शामिल हुए.बैठक में बीडीओ ने बताया की प्रखंड क्षेत्र के सभी नागरिकों का आभा आईडी कार्ड निर्माण करना आवश्यक है.इस कार्य की दैनिक समीक्षा प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक के द्वारा किया जायेगा.बाल विकास परियोजना पदाधिकारी तथा महिला पर्यवेक्षिका आंगनबाड़ी सेविका के द्वारा क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर गृह भ्रमण कर बड़े पैमाने पर पात्र नागरिकों का आभा आईडी कार्ड निर्माण करायेंगे.जीविका से जुड़े सीएम अपने स्वयं सहायता समूह की बैठक कर महिलाओं को जागरूक कर घर-घर सभी परिवार के सदस्यों को आभा आईडी कार्ड निर्माण करने के लिए उत्प्रेरित करेंगे.पंचायती राज



विभाग के कार्यपालक सहायक के माध्यम से भी आभा निर्माण कार्य करना है.जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आभा निर्माण हेतु लोगों को जागरूक किया जाने का निर्देश दिया. स्कूल से एक शिक्षक को आभा निर्माण हेतु प्रशिक्षित कराया जायेगा.इसके लिए 30 सितंबर तक सभी विद्यालय में आभा निर्माण हेतु विशेष शिविर आयोजित कर, विद्यालय में अध्यनरत सभी छात्र-छात्राओं का आभा निर्माण कराने के

कार्य को समय पर पूरा कराया जायेगा.आपूर्ति विभाग के द्वारा पीडीएस तथा कॉमन सर्विस सेंटर के सहयोग से लाभार्थियों का आभा निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जायेगा.इस अवसर पर बीसीएम ऊषा कुमारी,जीविका प्रबंधक मनोरंजन कुमार,पंचायती राज पदाधिकारी जितेंद्र कुमार,प्रखंड स्वास्थ्य विशेष शिविर आयोजित कर, विद्यालय में अध्यनरत सभी छात्र-छात्राओं का आभा निर्माण कराने के

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास म के 25 में सेवा कार्य पूरा करने और अगले 17 तारीख तारीख से 17 अक्टूबर तक तेरे चरणों में विकास कार्ड की चर्चा बुथ स्तर पर करने को लेकर आवश्यक बैठक की गई



बरौनी/बेगूसराय/संवाददातामहंत रामजीवन दास–17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी के जन्म दिवस के रूप में मनाने के लिए बरौनी नगर मंडल भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पौद्धार को आवास पर आवश्यक बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि विकास कार्य की चर्चा बूत स्तर पर जनता के बीच तेरह चरणों में 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक हर घर जाकर विकास कार्यों की जानकारी जनता को दी जाएगी। बागो कुन्दन भवन मार्केट मे दोपहर बारह बजे भाजपा बरौनी नगर मंडल कार्यकर्ता कार्यसमितीओ की बैठक, "प्रधान मंत्री मोदीजी के 25वे वर्ष सेवा कार्य पुरा होने और सितंबर 17तारीख से अक्टूबर 17तक 13चरणो मे विकास कार्य की चर्चा बुथ स्तर से हर घर जाकर आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम मे विधायक रजनीश कुमार,जिला महासचिव राकेश पाण्डेय महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा गुप्ता मंडल अध्यक्ष कुन्दन पौद्धार, महामंत्री रामानंद सिंह मंडल संयोजक मुकेश पौद्धार,जितेन्द्र राय,कन्हैया सिंह ,मंदून कुमार, सुदामा, रुपक पाठक, सतीश कुमार, व्यापार मडल सह ओबीसी अध्यक्ष इत्यादि लगभग साठ कार्यकर्ता शामिल हुए।

सिंटा पुनर्मतदान रिजल्ट: उपासना सिंह, साहिला चट्टा, वर्षा उसगांवकर को मिले सबसे अधिक वोट



मुंबई। सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) के पुनर्मतदान की मतगणना शनिवार को पूरी हो गई, जिसमें उपासना सिंह और साहिला चट्टा ने सबसे ज्यादा वोटों के साथ बहुत बनाई। उपासना सिंह को 360 वोट मिले, जबकि साहिला चट्टा को 357 वोट मिले। इसके बाद विकास वर्मा को 349 वोट, दीपक पराशर को 348 वोट, कुनीका सदानंद को 312 वोट, वर्षा उसगांवकर शर्मा को 306 वोट, नममा मोरारजी को 290 वोट, निमई बाली को 266 वोट, अर्जुन (फिरोज खान) को 250 वोट, आसमानी ताही को 237 वोट, शहजाद खान को 234 वोट, मनीष कुमार चतुवेदी को 219 वोट, सपन कुमार भट्टाचार्य को 197 वोट, रंजीत कुमार सिंह को 184 वोट और रमाकांत बोरुडे को 176 वोट मिले। अपनी खुशी जाहिर करते हुए दीपक पराशर ने आईएमएनएस से कहा, रमैनै इसकी उम्मीद नहीं की थी, मैं हैरान हूं। मैं बहुत अच्छे वोटों से जीता हूं। अब मैं सिर्फ अपने सिंटा सदस्यों के लिए काम करना चाहता हूं। मैं चाहूंगा कि वे वापस आएँ और मेरे साथ काम करें। बहुत-बहुत धन्यवाद। कुनीका सदानंद ने भी कहा, रमैनै उन सभी का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे वोट दिया और हमारी टीम को जिताय़ा। अब हमारी लड़ाई शुरू हुई है। अब हमें काम करके दिखाना है कि हम सच में सक्षम हैं या नहीं। हमें दिखाना है कि उन्होंने हम पर भरोसा किया है। सिंटा के उन सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए जिन्होंने उनके लिए वोट किया, कुनीका ने कहा, रमैनै उन 571 लोगों को धन्यवाद देना चाहूंगी जो मुझे वोट देने आए। उन्होंने विश्वास दिखाया और सिंटा की जिंदा रखने का साहस दिखाया। यह पुनः चुनाव फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज द्वारा आदेशित नए चुनावों पर रोक लगाने से अदालत के इनकार के बाद कराया गया था। 21 सदस्यीय कार्यकारी समिति के 11 सदस्यों के सिंटा से इस्तीफा देने के बाद चुनाव कराया गया था। उन्होंने एसोसिएशन के भीतर तानाशाही रवैये का दावा किया था। इस बीच, अभिनेत्रियों और सिंटा पदाधिकारियों पूनम दिल्ली और पद्मिनी कोल्हापुरे ने पहले सदस्यों की निजता के कथित उल्लंघन पर चिंता जताई थी और एसोसिएशन के डेटा तक पहुंच को लेकर उपासना सिंह से सवाल किया था।

एक नजर

लोक अदालत: कटिहार में 1,460 लंबित ई-चालानों का निपटारा



कटिहार, संवाददाता। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर शनिवार को कटिहार जिले में परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में लंबित ई-चालानों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान दोनों विभागों के प्रभावी समन्वय से कुल 1,460 लंबित चालानों का निष्पादन करते हुए 23,38,700 की राशि का सफल निपटारा किया गया, जिससे वाहन चालकों को पुराने मामलों से बड़ी राहत मिली।

निपटारे की प्रक्रिया में यातायात पुलिस विभाग के मामलों की संख्या सर्वाधिक रही, जिसके तहत 1,342 लंबित चालानों का समाधान कर 15,61,600 रू. की राशि का निष्पादन कराया गया। इसी प्रकार जिला परिवहन विभाग से जुड़े 118 मामलों का निपटारा

ट्रक में पीछे से घुसी तेज रफ्तार कार, दो की मौत

किशनगंज, संवाददाता। कोचाधामन थाना क्षेत्र में शनिवार को नेशनल हाईवे पर टॉटिहा पुल के समीप भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार कार के आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टकराने के कारण हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश नंबर की कार में चार लोग सवार थे। कार तेज गति से किशनगंज की ओर जा रही थी। टॉटिहा पुल के पास चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख सका और आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल दूसरे व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कार में सवार दो अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।कोचाधामन थानाध्यक्ष इजहार आलम ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार सवार सभी लोग उत्तर प्रदेश के मेरठ के रहने वाले हैं। हादसे की सूचना मृतकों एवं घायलों के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस उनकी पहचान की प्रक्रिया पूरी कर रही है।

प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम से बूथ स्तर तक कांग्रेस होगी और मजबूत: राजेश राम

पटना, संवाददाता। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षक-प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शनिवार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर का उद्देश्य कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाना तथा प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की ऐसी मजबूत टीम तैयार करना है, जो आगे प्रखंड, पंचायत एवं बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करे। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि कांग्रेस का संगठन केवल पदाधिकारियों से नहीं, बल्कि



सर्मापित और प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं से मजबूत होता है। यह प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, नई समझ और नई जिम्मेदारी का भाव पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा और देश के संविधान की रक्षा के लिए जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन आवश्यक है। प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों और विचारों को प्रभावी तरीके से पहुंचा सकते हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। यह प्रशिक्षण शिविर उसी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारा प्रयास है कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा, संगठन की कार्यशैली और जनता के मुद्दों को समझकर पूरी मजबूती के साथ जनता के बीच जाए। उन्होंने कहा कि संगठन

की मजबूती, कार्यकर्ताओं का सशक्तिकरण और जनसेवा क्रियस की प्राथमिकता है। प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम के माध्यम से कांग्रेस को गांव, पंचायत और बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाया जाएगा। प्रदेश क्रियस अग्र्यक्ष ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा और आने वाले दिनों में कांग्रेस के संघर्ष को और धार देगा। प्रशिक्षण शिविर के प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा ने भी इस प्रशिक्षण शिविर में आए हुए कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस मौके पर अनुशासन समिति के अध्यक्ष कमिलदेव प्रसाद यादव, प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी रंजीत कुमार मिश्रा , रजेश प्रसाद मुनन, पंकज यादव सहित प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर में आए हुए अन्य नेता मौजूद थे।

150 छात्र-छात्राओं को दी गई योजनाओं की जानकारी

नालंदा, संवाददाता। नालंदा जिले के युवाओं एवं विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी एवं रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र, नालंदा द्वारा एरिस्टोटल वायरोलॉजी धनेश्वर चंद्र, बिहारशरीफ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 156 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मृत्युंजय कुमार, सहायक प्रबंधक (योजना) द्वारा छात्र-छात्राओं को राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस क्रम में बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के उद्देश्य, पात्रता, मिलने वाले लाभ तथा आवेदन की प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

प्रादेशिक (बिहार विशेष)

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर डीएम ने दिए कई निर्देश



स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल अस्पताल तथा अनुमंडलीय अस्पताल में अधिक से अधिक शल्य चिकित्सा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि आवश्यक दवा सूची के अनुसार दवाओं का पर्याप्त भंडार हर समय उपलब्ध रहे, ताकि मरीजों को

उपचार के दौरान दवाओं की कमी का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में एम्बुलेंस सेवा को भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने प्रत्येक एम्बुलेंस से प्रतिदिन कम से कम पांच फेरे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं जांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत निर्धारित सभी सुचकांकों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने को कहा गया। एसीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए

बाढ़ राहत शिविरों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेष अभियान



30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए गैर-संचारी रोग स्क्रीनिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बाढ़ प्रभावित परिवारों को आपदा के समय होने वाले मानसिक तनाव, चिंता, भय और नींद की समस्याओं के प्रति जागरूक करना था। स्वास्थ्य कर्मियों ने शिविर में रह रहे लोगों को मानसिक रूप से मजबूत रहने, अपनी परेशानियां अपने आर्थ डॉक्टरों से साझा करने और जरूरत पड़ने पर तुरंत मनोसामाजिक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। अभियान के दौरान

पदाधिकारी डॉ. पंकज मनस्वी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मणि भूषण झा, जिला लेखा प्रबंधक श्री सोमेश झा एवं मनोवैज्ञानिक निशांत कुमार शामिल थे। टीम के अधिकारियों ने बताया कि आपदा के इस दौर में राहत कार्यों के साथ-साथ उन मरीजों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जो नियमित दवाएं लेते हैं। इसके अलावा बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों जैसे संवेदनशील समूहों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

महाकाल बाबा जालंधर नाथ मंदिर में हुई एक चमत्कारी घटना

सहरसा, संवाददाता। जिले के सौर बाजार प्रखंड के गम्हरिया रामपुर पंचायत के आरण एवं बरदाहा सीमा से सटे तिलावते नदी के तट पर रामपुर गांव में अवस्थित मिथिला के महाकाल कहे जाने वाले स्वयंभू अंकुरित शिवलिंग बाबा जालंधर नाथ धाम मंदिर के गर्भ गृह मे अद्भुत चमत्कार देखने की मिला। प्रत्येक दिन कि तरस पुजारी गौरीशंकर ठाकुर दिन के 2 बजे बाबा मंदिर का पट बंद कर घर खाने को चले गए, पूरा मंदिर सीसीटीवी कैमरे से सेस है जो वाई फाई के बाबा मंदिर के मंदिर पुजारी सहित बाबा जालंधर नाथ सेवा समिति के सदस्यों के मोबाइल से भी जुड़ा हुआ है। लोगों सहित मंदिर पुजारी ने बाबा मंदिर के गर्भ गृह में लगे कैमरे के फुटेज ने देखा कि एक दिव्य रौशनी बाबा के शिवलिंग सहित नाग के ऊपर चारो ओर परिक्रमा कर रही है।

बाइक सवार तीन अपराधियों ने व्यापारी को घेरा, 35 हजार लूटे, विरोध पर चलाई गोली

सुपौल, संवाददाता। जिले के जदिया थाना क्षेत्र के रानीगंज-त्रिवेणीगंज सड़क मार्ग स्थित तमकुलहा पुल के समीप एनएच-327ई पर शनिवार को दिनदहाड़े पलसर बाइक सवार तीन हथियारबंद अपराधियों ने दो मवेशी व्यापारियों को घेरकर 35 हजार रुपये लूट लिए।

लूट का विरोध करने पर अपराधियों ने गोली चला दी। गोली एक व्यापारी की कमर को छूते हुए निकल गई, जिससे वह जखमी हो गया। घटना के बाद तीनों अपराधों मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई लूट और गोलीबारी की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

घायल व्यापारी की पहचान मधेपुरा जिले के कुमारखंड थाना क्षेत्र के कुमारखंड वार्ड संख्या सात

निर्देश दिया गया कि सभी चिकित्सा प्रभारी अपने स्तर से प्रतिदिन सभी निर्धारित सुचकांकों की समीक्षा करें और लक्ष्य की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करें। इसके अलावा नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, प्रसव पूर्व जांच, परिवार नियोजन तथा आशा कार्यकर्ताओं के चयन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, डीएफई, डीएएम सहित विभिन्न प्रखंडों से आए चिकित्सा प्रभारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, प्रखंड लेखा प्रबंधक, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक एवं प्रखंड डाटा प्रबंधक उपस्थित थे।

महादेवपुर घाट पर हादसा, 24 घंटे बाद नदी से मिला लापता किशोर का शव

भागलपुर, संवाददाता। जिले के नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत पखता थाना क्षेत्र के महादेवपुर गंगा घाट पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक हादसे में लापता 13 वर्षीय किशोर का शव शनिवार को आखिरकार बरामद कर लिया गया। राज्य आपदा मोचन बल और स्थानीय गोताखोरों की टीम ने करीब 24 घंटे के सघन तलाशी अभियान के बाद शव को गहरे पानी से बाहर निकाला। शव मिलते ही घाट पर मौजूद परिजनों के सब्र का बांध टूट गया और उनके करुण क्रंदन से पूरा माहौल गमगीन हो गया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को किशोर अपने रिश्तेदारों के साथ महादेवपुर घाट पर आया था. गंगा नदी में स्नान करने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव के कारण लापता हो गया।

स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का

पिकअप के तहखाने से पुलिस ने गांजे की बड़ी खेप की बरामद



सुपौल, संवाददाता। जिले के बलुआ थाना पुलिस ने शुक्रवार की शाम विशनपुर चौक स्थित पुराने थाना के समीप कारवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक बड़े प्रयास का पदाफांश किया है। पुलिस ने एक टाटा पिकअप वाहन बीआर 50 जीबी 0694 के तहखाने में छिपाकर रखे 70 पैकेट गांजा बरामद किया। बरामद गांजे का कुल वजन करीब 70 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस ने गांजा लदे पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही चालक सहित तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। इस बाबत थानाध्यक्ष गुड्डू कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी

कि तस्करों द्वारा बलुआ थाना क्षेत्र से होकर गांजे की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने विशनपुर चौक के समीप नाकेबंदी कर सदिग्ध वाहनों पर नजर रखनी शुरू कर दी। इसी दौरान स्टेट हाईवे मार्ग पर एक सदिग्ध टाटा पिकअप वाहन नजर आया। पुलिस ने वाहन का पीछा शुरू किया। पुलिस को पीछे आता देख चालक ने पिकअप को पुराने थाना के समीप छोड़ दिया और चालक समेत उसमें सवार तस्कर मौके से भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसके तहखाने में अलग-अलग पैकेट में छिपाकर रखा गांजा बरामद हुआ।

महादेवपुर घाट पर हादसा, 24 घंटे बाद नदी से मिला लापता किशोर का शव



प्रयास किया, लेकिन पानी का स्तर अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिली. घटना की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम को दी गई। शुक्रवार शाम को अंधेरा होने के कारण तलाशी अभियान में बाधा आई थी। शनिवार सुबह से ही स्थानीय गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घंटों की मशकत और नदी की गहराइयों को खंगालने के बाद आखिरकार किशोर का शव खोज

निकाला गया। हादसे के बाद से ही गंगा किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी हुई थी। जैसे ही किशोर का शव पानी से बाहर निकाला गया, परिजन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मौके पर मौजूद पखता थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवगछिया अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद से मृतक के गांव और परिवार में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

छपरा व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

सारण, संवाददाता। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार आज व्यवहार न्यायालय परिसर, छपरा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर मामलों के त्वरित निपटारे के लिए कुल 17 पीठों का गठन किया गया था, जिनमें 2 बेंच डीटीओ कार्यालय तथा 2 बेंच सोनपुर अनुमंडल कोर्ट में बनाई गई थीं। लोक अदालत में सुलहनीय आपराधिक मामले, चेक बाउंस, बैंक ऋण वसूली, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद, श्रम एवं राजस्व वाद तथा जिली-पानी बिल व ट्रैफिक चालान से जुड़े मामलों का निष्पादन किया गया। उद्घाटन सत्र के



संबोधन में प्रभारी जिला जज सच्ची मिश्रा ने कहा कि लोक अदालत का प्राथमिक उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक त्वरित, सुलभ और सस्ता न्याय पहुंचाना है। इसमें किसी की हार या जीत नहीं होती, बल्कि आपसी सहमति से वर्षों पुराने विवाद समाप्त होते हैं। प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार ने बताया कि लोक अदालत के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं होती, जिससे मुकदमों का

अंतिम निपटारा सुनिश्चित होता है। आज के राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय के कुल 987 मामले को (समाचार मिलने तक), सोनपुर रेलवे एक्ट के 853 मामले और डीटीओ एवं ट्रैफिक चालान के 666 मामले का निष्पादन हुआ, जिसमें डीटीओ एवं ट्रैफिक चालान से कुल 21,81,872 रुपए का रिकवरी हुआ। बैंक सेटलमेंट के मामले में कुल 4,40,91,674, रुपए का मामला सेटल होकर निष्पादित हुआ।

सड़क हादसे में विकास मित्र की मौत

दरभंगा, संवाददाता। दरभंगा जिला अंतर्गत मनीगाछी थाना क्षेत्र के टटुआर पंचायत के विकास मित्र राम किशोर राम की शुक्रवार देर शाम सड़क दुर्घटना में मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव जगरनाथपुर स्थित घर पहुंचते ही वृद्ध मां जीबछी देवी, पत्नी कल्पना देवी और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया।

बताया गया कि राम किशोर राम वर्ष 2010 से विकास मित्र के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार शाम वे अपने मित्र महावीर ठाकुर के साथ कपड़े की खरीदारी के लिए सरिसब पाही बाजार गए थे। इसी दौरान एक ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद राम किशोर बाइक समेत ट्रक में फंस गए और करीब 20-25 फीट तक सड़क पर चिपटते चले गए। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। साथ रहे महावीर ठाकुर सड़क किनारे



भिरकर घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही मनीगाछी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और संबंधित थाने को सूचना दी। पंडौल थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी भेजा।

राम किशोर राम अपने पीछे पत्नी, करीब 70 वर्षीय वृद्ध मां और दो मासूम बच्चों को छोड़ गए हैं। उनकी पांच वर्षीय पुत्री अनुष्का भारती और तीन वर्षीय पुत्र अभिरंक कुमार अभी पूरी तरह परिवार पर निर्भर हैं। अचानक हुई मौत से परिवार के

सामने आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। शनिवार को बीडीओ संदीप कुमार पाण्डेय एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी प्रिंस कुमार झा ने मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को सत्वना दी। बीडीओ ने बताया कि आपदा विभाग से चार लाख रुपये तथा एससी-एसटी कल्याण विभाग से चार लाख रुपये, कुल आठ लाख रुपये की सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विधवा को अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए भी प्रस्ताव भेजा जाएगा।

सत्य निकेतन हादसा सिस्टम पर सवाल

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के पास सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत के ढहने से सात छात्रों की मौत ने राजधानी को एक बार फिर झकझोर दिया है। सोमवार तक मृतकों की संख्या सात घोषित की जा चुकी है, जबकि अभी भी कुछ छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका बनी हुई है। देश के कोने-कोने से बड़े सपने लेकर दिल्ली आये इन युवाओं का अंत इस तरह एक जर्जर, लालची और भ्रष्ट व्यवस्था के मलबे तले होना पुरे सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है।

हर बार की तरह इस बार भी प्रशासन हादसे के बाद जागा है। कुंभकरणी नींद में सोई सरकार ने आनन-फानन में कार्रवाई की। राजस्थान से फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया, उनके खिलाफ गैर इरादामंद हत्या, लापरवाही और दूसरों की जान खतरे में डालने की धाराएं लगायी गयी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता समेत पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया और मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दे दिये गये। यह कार्रवाई जरूरी है, लेकिन सवाल यह है कि किसी बेगुनाह की जान जाने के बाद ही यह सब क्यों होता है? यह कोई पहली घटना नहीं है। पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन। दिल्ली में अवेध निर्माण और इमारत ढहने की घटनाओं की सूची लगातार लंबी होती जा रही है। इन सभी में एक समान पैटर्न है, असुरक्षित इमारतें, बिना मंजूरी के अतिरिक्त निर्माण, रिहायशी संपत्ति का अवेध रूप से पीजी और हॉस्टल के रूप में व्यावसायिक इस्तेमाल और नियमों को लागू करने में पूरी तरह विफल तंत्र। सत्य निकेतन वाली इमारत को केवल इस उल्लोचन के बाद ही पहली निर्माण की अनुमति मिली थी, लेकिन बिना किसी न्यू प्लान की मंजूरी के इसे पांच मंजिला बना दिया गया। हादसे के वक्त इसमें अवेध रूप से रेनोवेशन का काम भी चल रहा था। क्या यह मानना संभव है कि एमसीडी के अधिकारियों की नजर में आए बिना इतना बड़ा अवेध निर्माण हो गया? यह लापरवाही नहीं, मिलीभगत है। इस पुरे अवेध धंधे की नींव छात्रों की मजबूरी पर डकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज अन्य राज्यों से आने वाले हजारों छात्रों के लिए पर्याप्त हॉस्टल सुविधा देने में पूरी तरह विफल रहे हैं। नतीजा यह है कि छात्र मुम्बईगो दाम देकर आमनीय, असुरक्षित और भीड़भाड़ वाले प्राइवेट पीजी में रहने को मजबूर हैं। माता-पिता मोटी रकम देकर सोचते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित है, लेकिन सच्चाई यह है कि वे मौत के मुहाने पर रह रहे होते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान इसी सच्चाई को दो दृढ़ शब्दों में कहा। अदालत ने कहा कि इस हादसे के लिए सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। अदालत ने संबंधित विभागों से दस दिनों में जाबब मांगा है, लेकिन क्या केवल जाबब से व्यवस्था बदलेगी? सत्य यह है कि देश की राजधानी में नियम-कानून और बिड्डिन कोड की कोई कमी नहीं है। कमी है तो केवल उन्हें ईमानदारी से लागू करने की इच्छाशक्ति की। समाज में पैसा कमाने की हवस इस कदर बढ़ गयी है कि लोग दूसरों की मजबूरी और मृत्यु की परवाह किए बिना अपनी तिजोरी भर रहे हैं। और भ्रष्ट अधिकारी इस पुरे खेल में आंख मूंदकर हिस्सेदार बने हुए हैं। अब समय आ गया है कि तीमापोनी बंद हो और एक सुरक्षित दिल्ली के लिए ठोस रोडमैप बनाया जाये। पहला कदम, हर वाई स्तर पर सभी पुरानी और बदली गई इमारतों का अनिवार्य स्ट्रक्चरल और सैफ्टी ऑडिट होना चाहिए। दूसरा, जो इमारतें खतरनाक घोषित हों, उन्हें तुरंत खाली कराकर सील किया जाये और मालिकों पर केवल जुर्माना नहीं, बल्कि अपराधिक मामला दर्ज हो। तीसरा, बिड्डिंग आवृत्त का पुरा रिजर्व ऑनलाइन, पारदर्शी और जनता के लिए सुलभ बनाया जाये, ताकि कोई भी देख सके कि किस इमारत को कितनी मंजिल की अनुमति है। चौथा, नियम तोड़ने वाले मालिकों के साथ-साथ उन अधिकारियों के लिए भी सख्त सजा और संपत्ति जब्ती का प्रावधान हो, जो इसे नजरअंदाज करते हैं। यह घटना शासन की विफलता है। सरकार की प्राथमिकता हादसे के बाद प्रतिक्रिया देने का प्रबंध करना नहीं, बल्कि हादसों को रोकना होनी चाहिये। सत्य निकेतन में गयी सात जानें केवल आंकड़ा नहीं हैं, वे उस व्यवस्था पर एक कड़ा तमाचा हैं जो हर बार लाखों गिने का इंतजार करती है।

‘हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी’ जब समुदाय अपनी आंगनबाड़ी को अपना मानता है



अन्नपूर्णा देवी

2047 का विकसित भारत उन बच्चों के हाथों से बनेगा, जो अभी स्कूल की दहलीज तक भी नहीं पहुंचे हैं। स्वस्थ और सक्षम बनने की उनकी यात्रा की सबसेमहत्वपूर्ण नींव जीवन के पहले एक हजार दिनों में ही रखी जाती है। करोड़ों भारतीय बच्चों और माताओं के लिए इस सफर का भरोसेमंद सहारा उनके आसपास ही मौजूद है, आंगनबाड़ी।

स्कूल जाने से बहुत पहले बच्चे का वजन और लंबाई आंगनबाड़ी में मापी जाती है। वहीं उसे गरम पका भोजन और घर के बाहर की दुनिया से जुड़ने का पहला अवसर मिलता है, और गर्भवती माँ को पोषण से जुड़ी पहली सलाह भी। देशभर के लगभग 14 लाख आंगनबाड़ी केंद्र 8.9 करोड़ से अधिक बच्चों, महिलाओं और किशोरियों तक पहुंच रहे हैं, और इन्हें चलानेवाली 25.2 लाख कार्यकर्ता व सहायिकाएं उसी समाज से आती हैं, जिसकी वे सेवा करती हैं। आंगनबाड़ी हमारे समाज से अलग कोई व्यवस्था नहीं, हमारे अपने पड़ोस का हिस्सा है। मार्च 2018 में प्रधानमंत्री श्रीनरेन्द्रमोदीजी ने पोषण अभियान की शुरुआत कर इसी परिचित व्यवस्था को देशव्यापी जनआंदोलन की मजबूत नींव बनाया। तब से हर

सितंबर राष्ट्रीय पोषण माह और हर मार्च पोषण पखवाड़ा पोषण का संदेश देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का माध्यम बने हैं। इस वर्ष 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर 2026 से 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम के साथ शुरू हो रहा है। गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और इस दिशा में हमारा संकल्प मजबूत है। साथ ही, इन सेवाओं का प्रभाव तब और बढ़ता है, जब समुदाय आंगनबाड़ी को अपनामानता है। प्रधानमंत्रीजी ने भी कहा है कि विकसित भारत का निर्माण सबके प्रयास से होगा। लाभार्थी से भागीदार तक इस वर्ष सामुदायिक भागीदारी को एक व्यवस्थित रूप दिया जा रहा है।

आंगनबाड़ी प्रबंधन समितियाँ माता-पिता, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों को केंद्र के संचालन से जोड़ती हैं। वे देख सकते हैं कि बच्चों को क्या परीसा जा रहा है, हर हकदार बच्चे तक सेवाएँ पहुँच रही हैं या नहीं, और केंद्र को बेहतर बनाने के लिए कि सहयोग की आवश्यकता है। इसे प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है-सोशल ऑडिट, जो समुदाय को अपनी आंगनबाड़ी की समीक्षा करने और सामने आनेवाली बातों के आधार पर सुधार की दिशा तय करने का अवसर देता है। जिस केंद्र से बच्चों और माताओं का जीवन जुड़ा है, उसकी गुणवत्ता बनाये रखने में उसकी परिवारों की भागीदारी सबसे स्वाभाविक है।

इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में माँ है, और उसके हाथ में पारदर्शिता का सरल माध्यम है-मेन्यूबोर्ड। हर केंद्र पर लगा यह बोर्ड गरम पके भोजन और टेक-होम राशन का दिन-वार विवरण



परिवारों के सामने रखता है। जब एक माँ जानती है कि उसके बच्चे को क्या मिलना चाहिए और केंद्र के साथ संवादकर यह सुनिश्चित करती है कि उसे तय मात्रा और गुणवत्ता के अनुसार भोजन मिले, तो पारदर्शिता रोजमर्रा की व्यवस्था बन जाती है। पोषणमाह 2026 इसी भागीदारी को जमीन पर उतारने का अवसर है। जहाँ प्रबंधन समितियाँ गठित नहीं हुई हैं, वहाँ उनका गठन किया जायेगा; जहाँ मौजूद हैं, वहाँ उनकी पहली बैठकें और सोशल ऑडिट होंगे। हर केंद्र पर मेन्यू बोर्ड लगेगा। तिथि भोजन और स्वस्थव्यंजनों के प्रदर्शन जैसे आयोजन परिवारों, पंचायतों और स्वयंसहायता समूहों कोआंगनबाड़ी के और करी बलायेंगे।

मेन्यू बोर्ड से आगे आंगनबाड़ी सेवाओं की पहली कसौटी है-पोष्टिकभोजन, जो संतुलित और विविधतापूर्ण भी हो: अनाज और श्री अन्न, दालें, मेवे और बीज, दूध और दुग्ध उत्पाद, अंडा, मौसमी फल तथा हरी सब्जियाँ। इसी दिशा में जुलाई में

जारी पूरकपोषण कार्यक्रम के व्यापक दिशा निर्देश, 2026 महत्वपूर्ण कदम हैं, जिनमें पहली बार गरम पके भोजन का स्वरूपस्पष्टरूप से निर्धारित किया गया है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के पोषक मानकों को और मजबूत किया गया है।भोजन के साथ बच्चे के शुरुआती विकास और सीखने पर भी उतना ही ध्यान जरूरी है। बच्चा क्या खाता है और कैसे सीखाता है-दोनों गहराई से जुड़े हैं। आंगनबाड़ी के 34 पड़वाँ पर नजर रखती हैं, और नवचेतना तथा आधारशिला जैसे पाठ्यक्रम बच्चे को स्कूल के लिए तैयार करते हैं।

यह यात्रा जन्म से भी पहले शुरू होती है-गर्भावस्था में माँ का पोषण बच्चे के जीवन की शुरुआत को भी प्रभावित करता है। इसी संदर्भ में इस वर्ष प्रधानमंत्री मातृवृंदना योजना के अन्न, दालें, मेवे और बीज, दूध और दुग्ध उत्पाद, अंडा, मौसमी फल तथा हरी सब्जियाँ। इसी दिशा में जुलाई में

आजीविका और अपने स्वास्थ्य के बीच चुनाव न करना पड़े। इन दस वर्षों में 4.65 करोड़ लाभार्थियों तक 21,511 करोड़ सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचे हैं। मिशन शक्ति के तहत यह योजना अब दूसरी संतान के रूप में बेटी के जन्म पर अतिरिक्त लाभ भी देती है।

सहायता का प्रभाव तब कई गुना बढ़ जाता है, जब वह अकेले- नहीं, बल्कि निरंतर परामर्श और सहयोग के साथ पहुंचती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी इसी तथ्य को रेखांकित किया है कि नकद सहायता अपना पूर्ण उद्देश्य तभी सिद्ध करती है, जब उसके साथ ऐसा परामर्श भी जुड़ा हो, जो परिवार को सोच-समझकर निर्णय लेने में सक्षम बनाये। सर्वेक्षण में राजस्थान के 'कैशलक्ष' मॉडल का उल्लेख है, जिसमें नकद सहायता के साथ सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संवाद को योजना का अभिन्न अंग बनाया गया। परिणाम यह हुआ कि सहायता राशि को भोजन पर व्यय करनेवाली

महिलाओं का अनुपात 30 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गया, और जैसे-जैसे पति तथा परिवार के अन्य सदस्य इस संवाद से जुड़ते गये, मातृपोषण से जुड़ी प्रतियाँ भी दूर होती गईं। शिशु का पोषण केवल माँ की जिम्मेदारी नहीं-इसमें परिवार, समुदाय और व्यवस्था, सभी की भूमिका है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का सम्मान इस पुरे प्रयास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। सामुदायिक भागीदारी का उद्देश्य उसका दायित्व बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे सहयोग और सम्मान देना है। स्थानीय परिवारों की जो समझ और भरोसा उन्होंने वर्षों में बनाया है, वह इस व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है। जब कार्यकर्ता के साथ समुदाय खड़ा होता है, तोआंगनबाड़ी की ताकत कई गुना बढ़ जाती है।इस सितंबर, मैं हर नागरिक से अपील करती हूँ कि वह अपने क्षेत्र की कम से कम एक आंगनबाड़ी अवश्य जाये। कार्यकर्ता से बात कीजिए, मेन्यूबोर्ड पढ़िए, बच्चों को मिल रही सेवाओं के बारे में जानिए-और सबसे महत्वपूर्ण, पुष्टिये कि आप क्या सहयोग कर सकते हैं।इस सितंबर जिन बच्चों का वजन आंगनबाड़ी केंद्रों में लगा जा रहा है, वे 2047 में लियारा बीस-पच्चीस वर्ष के होंगे। वे जिस स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और क्षमता के साथ देश के विकास में योगदान देंगे, उस की नींव आज रखी जा रही है। जब हर समुदाय अपनी आंगनबाड़ी को अपनी जिम्मेदारी मानकर उसके साथ खड़ा होता है, तब हर बच्चे का भविष्य और मजबूत होता है।

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

कुमार आयुष

भारत में आमजन आवागमन के लिए सबसे ज्यादा किस साधन का इस्तेमाल करते हैं? हमारे देश में आमजन की सवारी है बस। हवाई जहाज हर जगह नहीं पहुंचता, बसें गांव-गांव तक जाती हैं।

हम हर जगह एयरपोर्ट बनाते हैं, और इसमें दिलचस्प बात तो यह है कि एयरपोर्ट उनलोगों के लिए है, जो ज्यादा इनकम टेक्स भरते हैं, और जो लोग नहीं भरते उनके लिए यह एक रोजगार योजना है कि वे एयरपोर्ट पर काम करेंगे। लेकिन गांव से रोजगार के लिए शहर आने वाले कामगार जब अपने घर लौटते हैं या अपने रिश्तेदारों से मिलने गांव जाते हैं, तब उन्हें अपनी यात्रा के लिए ट्रेन या फिर लास्ट माइल तक बस का ही इस्तेमाल करना पड़ता है। इन सबके बावजूद हमारे बस नेटवर्क की व्यवस्था इतनी दयनीय क्यों है?

बस आएगी, नहीं आएगी, कब पहुंचेगी, महिलाओं के लिए रास्ते में शौचालय की व्यवस्था होगी कि नहीं, ये सवाल आम हैं। हाईवे पर रास्ते में कई जगह मिडवे होटल और बस अड्डे बन जाते हैं। जहां बहुत सारी दुकानें होती हैं, कुछ व्यवस्थाएं भी होती हैं, परन्तु ये सुविधाएं हर जगह स्तरीय नहीं होती हैं।

हाल ही में पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी (परिवहन, पर्यटन और संस्कृति) की रिपोर्ट आई है, जिसमें हमारी बस व्यवस्था को सुधारने के लिए कुछ उपयोगी सुझाव हैं। इनपर मैं अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा।

हवाई जहाजों के लिए एयरपोर्ट्स आधारित ऑफ इंडिया है, जो टर्मिनल बनाती है और उन टर्मिनल्स का इस्तेमाल कोई भी कर सकता है। बसों के लिए ऐसा कुछ नहीं है। राज्य सरकारें खुद बस चलाती हैं, उनके लिए टर्मिनल बनाती हैं, लेकिन प्राइवेट ऑपरेटर से साझा



नहीं करती। यहां उल्लेखनीय है कि प्राइवेट ऑपरेटर सरकारी कंपनियों से ज्यादा बसें चलाते हैं और उनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है। सैद्धांतिक रूप से सरकार को ऐसी परियोजनाओं पर ध्यान देना चाहिये, जिनसे सामाजिक और आर्थिक

विकास की नींव बने। मसलन आप बस टर्मिनल बनाइए, लेकिन बसों के संचालन का अवसर निजी उद्यमियों को दीजिये। एक वक्त था जब शायद निजी ऑपरेटर सक्षम नहीं थे। आजादी के बाद जब आपको लगा कि सरकार को अपनी

तरफ से बैसाखी लगानी है, तब लगा दी, अब बैसाखी का समय जा चुका है। हमारे देश में काफी समस्याएं हैं, लेकिन शायद बस चलाने के लिए सरकारी मदद की जरूरत नहीं है। दिल्ली के कश्मीरी गेट टर्मिनल पर

प्रति बस 500 रुपये का प्रवेश शुल्क है। कमेटी ने एक ऑपरेटर का उदाहरण दिया है, जिसे प्रतिदिन करीब 5 लाख रुपये का शुल्क देना पड़ता है। टर्मिनल के अंदर दुकानों से खरीदारी और अन्य सेवाओं का उपयोग भी यात्री करते हैं, जो अतिरिक्त आय है। कश्मीरी गेट यह दर्शाता है कि इस प्रकार टर्मिनल के संचालन से सभी पक्षों का लाभ है। सुझाव यह नहीं है कि बस टर्मिनल का निजीकरण कर दीजिये। आप जैसे एयरपोर्ट चलाते हैं, वैसे ही बस टर्मिनल भी चलाइये।

अगली बात यह कि टूरिस्ट परमित क्या होता है? क्या बसों में सफर करने वाले सभी यात्री टूरिस्ट होते हैं? लोग अपने व्यवसाय के लिए और परिवार के साथ भी यात्रा करते हैं। कमेटी का एक सुझाव यह है कि बसों को ऑल इंडिया परमित दीजिए। हमें यह जानकारी जरूर होनी चाहिए कि बसों में कितने टूरिस्ट सफर कर रहे हैं, लेकिन यह पर्यटन विभाग का विषय है। बसों के

सुगम और सुरक्षित संचालन के लिए यह जानना ज्यादा जरूरी है कि बसें कहाँ से कहाँ तक चल रही हैं और यात्रियों में बुजुर्ग, महिलाओं, पुरुषों और बच्चे की संख्या कितनी है। इंडस्ट्री सूर्यों का अनुमान है कि रोजाना 5 से 6 करोड़ लोग इंटरसिटी बस से सफर करते हैं। कमेटी के खुद के सूर्यों ने 2019 में 3 करोड़ बस के और 2.3 करोड़ यात्री रेलवे के दिखाये। देश में 4.4 लाख बस हैं, यह पता है, लेकिन हमारे पास कोई डेटा ही नहीं है यह बताने के लिए कि कितने सवारी चाहिए। डिजिटल इंडिया में हम ऑनलाइन टिकट बुकिंग के आदी हैं और सारी बसों में जीपीएस ट्रैकर भी हैं। हमारे पास पर्याप्त साधन हैं और हम इसे आसानी से कार्यान्वित कर सकते हैं। जरूरत है इच्छाशक्ति की। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

हवा की परीक्षा में शहर टॉप, सांसों की कॉपी कौन जांचेगा?



प्रो. आरवेक जैन 'अरिजीत'

लखनऊ ने करोड़-प्लस आबादी वाले शहरों में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण का नंबर-एक तमगा हासिल कर लिया है। बधाई! अब शायद हवा भी सरकारी प्रमाणपत्र लेकर चलेगी-देखिए, मैं देश की सबसे साफ हवा हूँ। खबर खुशी देती है, मगर पीछे एक कड़वी हंसी भी सुनाई देती है। हमारे यहाँ रैंकिंग का बड़ा जलवा है। नंबर मिलते ही उपलब्धि, प्रमाणपत्र मिलते ही समस्या खत्म! लखनऊ स्वच्छ वायु का सम्राट घोषित है। मगर असली सवाल दवाख के बाहर खड़ा है-यह ताज हवा के लिए है या रिपोर्ट के लिए? नागरिक हवा सांस में भरता है, व्यवस्था उसे आंकड़ों में। एक समय था जब शहर अपनी तहजीब,

संस्कृति और पहचान से जाने जाते थे। अब महानगरों की नई पहचान है-कौन कितनी जहरीली हवा देता है। दिल्ली इस दौड़ में लंबे समय से चर्चित रही, मुंबई, कोलकाता और कानपुर भी पीछे नहीं रहे। ऐसे माहौल में लखनऊ का नंबर-एक पर पहुंचना सुखद है। विशेषज्ञों के अनुसार साफ परिवहन, धूल नियंत्रण, बेहतर कचरा प्रबंधन और हरियाली बढ़ाने के प्रयासों ने यह उपलब्धि दिलायी है। इन प्रयासों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन सड़क पर निकलते ही एक दूसरा विशेषज्ञ मिलता है-आम नागरिक। उसकी आंखों में धूल, नाक में धुआं और सांस में जलन है। वह पूछता है, अगर हवा सचमुच साफ हो गई है, तो मेरा अनुभव अब भी इतना धुँधला क्यों है?

सरकारों को रैंकिंग से बड़ा प्रेम है। नंबर-एक मिलते ही भाषणों के फूल खिलते हैं, कैमरे चमकते हैं और उपलब्धियों की सूची लंबी हो जाती है। लगता है, जैसे प्रदूषण ने खुद आत्मसमर्पण कर दिया हो। मगर शहर की असली परीक्षा सभागार में नहीं, रिश्ता खींचते आदमी की सांस में होती है। स्कूल जाते बच्चे के सीने में होती है। उस बुजुर्ग की सुबह की सैर



में होती है, जिसे थोड़ी दूर चलते ही खांसी घेर लेती है। सवाल सीधा है-क्या उनकी सांस अब आसान हुई? अगर नहीं, तो रैंकिंग खुशी की खबर जरूर है, पर सफलता की मुहर अभी बाकी है। हमारी व्यवस्था की अद्भुत कला है-बीमारी मिटाने से पहले उसकी रिपोर्ट सुधार देना।

आदमी बीमार हो तो दवा चाहिए, मगर धर्मांतर बदल देने से कागज पर बुखार जरूर उतर सकता है। प्रदूषण

के मामले में खतरा यही है। आंकड़े सुधरे, अच्छी बात है; मगर हवा सुधरे, असली बात यह है। जिस बच्चे की अस्थमा की दवा चाहिए, उसके सामने नंबर-एक की रैंकिंग रख देने से बीना बाकी है। हमारी व्यवस्था की अद्भुत कला है-बीमारी मिटाने से पहले उसकी रिपोर्ट सुधार देना।

आदमी बीमार हो तो दवा चाहिए, मगर धर्मांतर बदल देने से कागज पर बुखार जरूर उतर सकता है। प्रदूषण

दिखे। हरियाली बढ़ाने की घोषणाएं हुईं, पेड़ लगाये गये। मगर सवाल है-कितने पेड़ बने और कितने सिर्फ तस्वीरों में खड़े रह गये? धूल रोकने के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जाता है। पानी सूखते ही धूल फिर नाचने लगे तो यह इलाज नहीं, धूल को थोड़ी देर की छुड़ी है। कचरा प्रबंधन के वाहन दौड़ते हैं, मगर नाले कचरे से पटे रहें तो सफाई अधूरी है। इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण घटाने की अच्छी पहल है,

लेकिन पूरा शहर ट्रैफिक जाम में फंसा हो तो समस्या सिर्फ बस के इंजन की नहीं, पूरी यातायात व्यवस्था की है। हवा साफ करनी है तो एक स्रोत नहीं, प्रदूषण की पूरी शृंखला पर प्रहार करना होगा।

हमने जीवन को आंकड़ों में बदलने की ऐसी आदत डाल ली है कि अब खुशहाली का सूचकांक है और हवा की भी रैंकिंग। संख्या जरूरी है, क्योंकि मापे बिना सुधार का पता नहीं चलता। मगर संख्या को जीवन का पर्याय मान लेना भूल है। लखनऊ का नागरिक अखबार में पढ़ता है कि उसके शहर की हवा नंबर-एक है और उसी सुबह धूल से बचकर सड़क पार करता है। रात को खांसी आये तो अखबार की वह खबर गले नहीं उतरती। यहाँ आंकड़े और अनुभव आमने-सामने खड़े होते हैं। शहर सेंसर और सर्वेक्षण से नहीं, उसमें बसने वाले लोगों की सांस से सचमुच साफ साबित होता है।

फिर भी लखनऊ की उपलब्धि को कमतर आंकना उचित नहीं। किसी शहर ने प्रदूषण के विरुद्ध कदम उठाये हैं तो उसकी सराहना होनी चाहिए। साफ परिवहन, धूल नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और हरियाली की दिशा में हुए

कामों को और मजबूत करना होगा। मगर नंबर-एक को मंजिल मान लेना सबसे बड़ी भूल होगी। यह पुरस्कार उत्सव से अधिक जिम्मेदारी का प्रमाण बने। ताज मिल गया है तो अब उसे चमकाने से ज्यादा उसके नीचे के सिर को सुरक्षित रखने की चिंता होनी चाहिये। वरना तस्वीर वही रहेगी-सिर पर सोने का मुकुट और फेफड़ों में धूल।

स्वच्छ वायु का सबसे सच्चा सर्वेक्षण किसी कार्यालय में नहीं, हर नागरिक के सीने में होता है। जब बच्चा बिना खांसे खुले मैदान में खेल सके, बुजुर्ग बिना साँस फूले सुबह टहल सके, मजदूर दिनभर मेहनत करके भी हवा को अपना दुश्मन न समझे-तभी मानिए लखनऊ सचमुच नंबर-एक है। रैंकिंग उपलब्धि है, लेकिन असली परीक्षा अब शुरू हुई है। लखनऊ ने कागज पर पहला स्थान पा लिया; अब उसे यह स्थान लोगों की साँस में दर्ज करना है। कागज की जीत पर तालियाँ बज सकती हैं, मगर दिल तभी खुश होता है जब साँसे बेखीफ हो। शहर की सबसे बड़ी रैंकिंग यही है-उसके नागरिक कितनी आजादी से साँस लेते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

कोलकाता में न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

कोलकाता, एजेंसी। न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया का सातवां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन एनसीएसआई 2026 शुक्रवार रात से कोलकाता के ताज ताल कुटीर में शुरू हो गया। 13 सितंबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के प्रमुख विशेषज्ञ, चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पेशेवर हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन का विषय बुनियादी सिद्धांतों से नई उपलब्धियों तक : न्यूरोक्रिटिकल केयर को आगे बढ़ाना है। सम्मेलन में न्यूरोक्रिटिकल केयर के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र पर विशेषज्ञ चर्चा कर रहे हैं। इसमें बुनियादी चिकित्सकीय सिद्धांतों के साथ आधुनिक तकनीक, न्यूरोमॉनिटरिंग, न्यूरोइमेजिंग, सटीक



चिकित्सा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वैज्ञानिक कार्यक्रम में तीव्र स्ट्रोक, मस्तिष्क के भीतर रक्तस्राव, सबैरक्रॉयड रक्तस्राव, मस्तिष्क की चोट, स्टेटस एपिलेप्टिकस, केंद्रीय

तंत्रिका तंत्र के संक्रमण और न्यूरोमस्कुलर आपात स्थितियों सहित गंभीर तंत्रिका संबंधी रोगों पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा न्यूरोलॉजिकल जांच, श्वसन मार्ग और वेंटिलेशन प्रबंधन, रक्तसंचार

संबंधी स्थिरीकरण, दौरै और इंटरक्रैनिअल प्रेशर का प्रबंधन तथा मस्तिष्क को होने वाली द्वितीयक क्षति की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषय भी कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

तीन दिवसीय सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान, नवीनतम चिकित्सा प्रगति पर सत्र, संवादात्मक पैनल चर्चा, वाद-विवाद, मरीजों से जुड़े मामलों पर आधारित चर्चा और व्यावहारिक चिकित्सकीय सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में साक्ष्य आधारित और मरीज-केंद्रित चिकित्सा पद्धति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सम्मेलन में 12 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें प्रो. डॉ. रयान हकीमी, डॉ. विजय कुमार शर्मा, डॉ. प्रियंका जैन, डॉ. शोजी योकोबोरी, डॉ.

जेमालिन बी. सरापुद्दीन, डॉ. ऋत्विक् भाटिया, डॉ. चित्रा वेंकटसुब्रमणियन, डॉ. जो एन सोलिवेन, डॉ. सुरभि टी. सिंह, डॉ. चिदानंद स्वामी मुथुगडुरु नारप्पा, डॉ. सुखेन सामंता और डॉ. सुजय सामंता शामिल हैं। उनकी भागीदारी से न्यूरोक्रिटिकल केयर के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर ज्ञान के आदान-प्रदान, अकादमिक सहयोग और मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा का अवसर मिल रहा है।

एनसीएसआई 2026 का उद्देश्य वैज्ञानिक शोध और मरीजों के उपचार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा शिक्षा, शोध, मार्गदर्शन और विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। सम्मेलन में न्यूरोसर्जन,

ईंटेंसिविस्ट, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, आपात चिकित्सा विशेषज्ञ, नर्स, प्रशिक्षु चिकित्सक और अन्य स्वास्थ्यकर्मों राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ संवाद कर रहे हैं। सम्मेलन का आयोजन प्रो. डॉ. बिभु कल्याणी दास के नेतृत्व में किया जा रहा है। आयोजन सचिव के रूप में डॉ. अरिजीत कुमार बराई और डॉ. राहुल धिया जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, एनसीएसआई 2026 को केवल वैज्ञानिक सम्मेलन तक सीमित रखने के बजाय ज्ञान, नवाचार, सहयोग और पेशेवर विकास का मंच बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गंभीर न्यूरोलॉजिकल रोगियों के उपचार के परिणामों को बेहतर करना है।

लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दें कार्यकर्ता : अर्जुन मुंडा

खूंटी, एजेंसी। भाजपा जिला कार्यालय में पार्टी की मासिक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रभारी सुनीता सिंह शामिल हुईं। अर्जुन मुंडा बेंगलुरु में आयोजित नेशनल पैरा आर्चरी प्रतियोगिता में शामिल होने के बाद सीधे खूंटी पहुंचकर बैठक में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि देशभर में भाजपा का सेवा परखवाड़ा चल रहा है। इसके तहत कार्यकर्ताओं को लोगों के बीच जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में किसी योग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटे, इसके लिए कार्यकर्ता लोगों का सहयोग करें। उन्होंने वीबी-जी-राम-जी योजना की जानकारी मजदूर वर्ग तक पहुंचाने की भी अपील की।



मुंडा ने कहा कि खूंटी तीरंदाजी के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। तीर-धनुष आदिवासी समाज की परंपरा से जुड़ा रहा है और आज इसी क्षेत्र में प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रही हैं। पैरा आर्चरी दिव्यांग लोगों को भी अपनी प्रतिभा के दम पर आगे बढ़ने का अवसर दे रही है।

जिला प्रभारी सुनीता सिंह ने कहा कि भाजपा समाज हित में काम करने वाला संगठन है और जनता की विश्वास पार्टी के साथ है। उन्होंने 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर बहई सहित अन्य कुशल कारीगरों को विश्वकर्मा योजना की

जानकारी देने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आनंद कुमार ने की। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्य में भाजपा कार्यकर्ता बीएलए के रूप में जनता को जोड़ने का काम करेंगे। मंच संचालन जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ने किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मौके पर संतोष साहू, रानी टुटी, जगन्नाथ मुंडा, कैलाश महतो, सीमा देवी, उर्मिला देवी, कंचन सिंह, जुही प्रिया, सरस्वती सिंह सहित विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और मंडल स्तरीय कार्यकर्ता मौजूद थे।

अन्नपूर्णा योजना को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की विशाल रैली

पश्चिम बर्दवान, एजेंसी। आसनसोल उत्तर भाजपा महिला मोर्चा की ओर से विधायक कुण्टु मुखर्जी के नेतृत्व में अन्नपूर्णा भंडार योजना को लेकर विशाल रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान अन्नपूर्णा भंडार योजना को लेकर राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ भाजपा की ओर से कई आरोप लगाए गए। रैली में शामिल भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष शीतल सोलंकी ने कहा कि अन्नपूर्णा भंडार योजना को लेकर यह रैली आयोजित की गई है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में महिलाओं को अन्नपूर्णा भंडार योजना का लाभ मिल रहा है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से योजना का लाभ नहीं मिलने का गलत प्रचार किया जा रहा है। रैली में शामिल महिलाओं को देखकर स्पष्ट हो सकता है कि किन महिलाओं को योजना का लाभ मिला है। शीतल सोलंकी ने कहा कि अन्नपूर्णा भंडार योजना का लाभ



मिलने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की ओर से गलत प्रचार किया जा रहा है। इसी बात को दिखाने के लिए यह रैली निकाली गई है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से रैली में शामिल महिलाओं को देखने की अपील की। रैली में शामिल भाजपा आसनसोल जिला अल्पसंख्यक मोर्चा की अध्यक्ष नाजनीन सबीहा ने कहा कि इस रैली के माध्यम से पश्चिम बंगाल सरकार, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं के बारे में सोचते हुए अन्नपूर्णा योजना के रूप में पश्चिम बंगाल की महिलाओं को बड़ी

सहायता दी है। उनके अनुसार, योजना के तहत महिलाओं को तीन हजार रुपये की राशि मिल रही है। नाजनीन सबीहा ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में करीब 40 हजार महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है और इससे करीब 40 हजार परिवारों को आर्थिक सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया जा रहा है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पांच वर्ष पहले लक्ष्मी भंडार योजना शुरू की गई थी, लेकिन विभिन्न शिविरों के आयोजन के बाद धीरे-धीरे लोगों को इसका लाभ मिला।

ब्राउन शगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने ब्राउन शगर की खरीद-बिक्री की सूचना पर छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के पास से 14.86 ग्राम ब्राउन शगर, एक वीवो मोबाइल फोन और 200 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। कोतवाली एसएसपी निखिल राय ने बताया कि सुखदेव नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि अमरूद बगान स्थित लाह कोठी के पास ब्राउन शगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक नगर के निंत्रण और सहायक पुलिस अधीक्षक कोतवाली निखिल राय के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद एक युवक भागने की कोशिश करने लगा, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया।

बंगाल पहुंचा जापान का सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उद्योग मंत्री से की निवेश और नवीकरणीय ऊर्जा पर चर्चा

कोलकाता, एजेंसी। भारत और जापान के बीच व्यापार, निवेश तथा सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से जापान के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री तापस राय से मुलाकात की। विदेश मामलों के राज्य मंत्री अयानो कुनिमित्सु के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में राज्य में जापानी निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और कोलकाता-जापान के दोनों हवाई संपर्क बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में तापस राय ने बताया कि दोनों पक्षों ने पश्चिम बंगाल और जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापार, कारोबारी सहयोग तथा सांस्कृतिक संबंधों को विस्तार देने के उपायों पर विचार किया। उन्होंने कहा कि



जापानी कंपनियों ने पश्चिम बंगाल के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विशेष रुचि दिखाई है। मंत्री ने बताया कि जापानी कंपनियां पश्चिम बंगाल के ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय स्रोतों की हिस्सेदारी बढ़ाने को लेकर इच्छुक हैं। बैठक में राज्य के कुल ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा बढ़ाने और इस क्षेत्र में संभावित निवेश पर चर्चा हुई। बैठक में कोलकाता और

जापान के बीच हवाई संपर्क मजबूत करने का मुद्दा भी उठा। तापस राय ने बताया कि दोनों पक्षों ने सीधी उड़ानों के साथ-साथ पारगमन केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध हवाई सेवाओं को बेहतर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। बेहतर हवाई संपर्क से व्यापार और पर्यटन के साथ दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि

जापानी और भारतीय दोनों कंपनियां पश्चिम बंगाल में बाधारहित कारोबारी माहौल चाहती हैं। राज्य सरकार ने प्रतिनिधिमंडल को निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करने का आश्वासन दिया है। बाधारहित माहौल से संबंधित सवाल पर राय ने कहा कि घरेलू निवेशकों ने भी ऐसी ही मांग की है। उन्होंने पिछली सरकार के कार्यकाल में कथित रूप से बने प्रतिकूल निवेश माहौल का उल्लेख किया। तापस राय ने जापानी रासायनिक कंपनी मित्सुबिशी केमिकल के पश्चिम बंगाल से बाहर जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने सवाल उठाया कि कंपनी को राज्य छोड़ने की जरूरत क्यों पड़ी। हालांकि, उन्होंने कंपनी के राज्य से बाहर जाने की परिस्थितियों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

रांची में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, 70 मामलों का निपटारा

रांची, एजेंसी। जिले के विभिन्न थाना और ओपी में शुक्रवार को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आम लोगों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और कई मामलों का तत्काल निपटारा किया। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर नगर एसपी पासरा राणा, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, यातायात एसपी राकेश सिंह, सभी डीएसपी और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने निर्धारित थाना क्षेत्रों में मौजूद रहकर लोगों की शिकायतें सुनीं। पुलिस के अनुसार, जिले के अलग-अलग थानों में करीब 110 शिकायत और आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 70 मामलों का त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी दिन निपटारा कर दिया गया। वहीं, कुछ संवेदनशील मामलों में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 5 प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल, रामगढ़ में निकली रैली

रामगढ़, एजेंसी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को देशव्यापी बैंक हड़ताल के तहत रामगढ़ जिले के बैंक कर्मचारी और अधिकारी भी आंदोलन में शामिल हुए। विभिन्न मांगों के समर्थन में बैंक कर्मियों ने धरना-प्रदर्शन के साथ शहर में शांतिपूर्ण रैली निकालकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। रैली बिजुलिया का शुभ होकर सुभाष चौक होते हुए थाना चौक तक पहुंची। इस दौरान बैंक कर्मचारी एवं अधिकारियों ने हफ्ते में 05 दिन बैंकिंग लागू करें, फेयर पीएलआई सुनिश्चित करें सहित विभिन्न मांगों के समर्थन में नारे लगाए। रैली के दौरान शहर के कई बैंक शाखाओं में पहुंचकर कर्मचारियों ने बंद कराया



और हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया। यूएफबीयू के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, फेयर पीएलआई (परफॉर्मंस लिंकड इसेटिव) सुनिश्चित करने सहित अन्य मांगों को लेकर आवाज बुलंद की गई। रैली में कई बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए। आंदोलन के दौरान बैंक

कर्मियों ने कहा कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं और उन्हें लेकर संगठन लगातार लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाता रहा है। कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समाधान तक आंदोलन को मजबूती से जारी रखने की बात कही। इस दौरान यूनियन के रामगढ़ जिला संयोजक एकलव्य, अजय सहित कई बैंक कर्मी मौजूद थे।

रानी सती दादी मंदिर में उमड़ी आस्था 351 सवामणि प्रसाद से सजा दरबार

रामगढ़, एजेंसी। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री रानी सती दादी मंदिर परिसर में आयोजित 20 वें भादो अमावस्या महोत्सव का शुक्रवार को श्रद्धा और भक्ति के बीच भव्य समापन हुआ। महोत्सव के संयोजक अशोक अग्रवाल थे। अंतिम दिन तड़के सुबह से पाठा पूजा और सवामणि प्रसाद का भोग दादी भक्तों की ओर से अर्पित किया गया। भारी बारिश के बावजूद दादी भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा। भक्तों ने दादी जी को 351 सवामणि प्रसाद का भोग अर्पित किया। महोत्सव के दौरान रामगढ़ और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने दादी जी के चरणों में माथा टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। भादो अमावस्या के अवसर पर रामगढ़ की पूर्व विधायक



सुनीता चौधरी और रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय ने भी मंदिर पहुंचकर दादी जी के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। महोत्सव की पूर्व संध्या पर कीर्तन कार्यक्रम से पहले मंदिर के गुंबद के पास आकाशीय बिजली गिरी इससे मंदिर परिसर के कई विद्युत उपकरण जल गए। हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जान-माल की क्षति नहीं हुई। उत्सव के दौरान श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सदस्यों ने

दादी जी के चरणों में मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। फूलों से सजे दादी जी के भव्य दरबार ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। अंत में विधिवत महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ 20वें भादो अमावस्या महोत्सव का समापन हुआ। महोत्सव को सफल बनाने में श्री रानी सती महिला मंगल समिति की प्रमिला अग्रवाल, पुष्पा गोयल, तरुणा मित्तल, संजना अग्रवाल की भूमिका रही।

एक नजर

ओडिशा टी20 लीग 2026 सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर बने सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती

कटक, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को ओडिशा टी20 लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह ट्रानामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से ट्रानामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस ट्रानामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर २?दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस ट्रानामेंट में कुल छह टीमें भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैथर्स हिस्सा लेंगी। ट्रानामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतिযোগिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं।

दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एजीजिशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। ओडिशा टी20 लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'रछह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10 दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर ट्रानामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ। देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। ओडिशा ळ20 लीग सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह ट्रानामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा।



केंद्र सरकार का राज्यों से श्रमिक कल्याण के लिए सेस निधि का प्रभावी उपयोग करने का आग्रह

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे श्रमिक कल्याण के लिए एकत्र किए गए सेस फंड के उपयोग की विस्तृत समीक्षा करें, कमियों की पहचान करें और श्रमिकों के दीर्घकालिक कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसके प्रभावी इस्तेमाल के नए उपाय तलाशें।

मुंबई में आयोजित भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने राज्यों से श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) के लागू होने के एक वर्ष बाद उनके प्रभाव का व्यापक आकलन करने और उन क्षेत्रों की पहचान करने को भी कहा, जहां बेहतर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। उन्होंने श्रम कानूनों से जुड़े पेशेवरों के लिए कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे श्रम संहिताओं को सही मायनों में प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। मंडाविया ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह योजना रोजगार को बढ़ावा देने और कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने राज्य सरकारों से उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस योजना की जानकारी मिल सके और पात्र लाभार्थी इसका लाभ उठा सकें। मंत्री ने राज्यों के बीच सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान और बीओसीडीब्ल्यू फंड के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ श्रम तंत्र को भी लगातार विकसित होने की जरूरत है और भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों के समग्र कल्याण के लिए केंद्र और राज्यों की सोच तथा नीतियों में तालमेल होना चाहिए। मांडविया ने श्रमिकों को अधिक सम्मान, गरिमा और आत्मसम्मान देने के उपायों पर भी बल दिया। उन्होंने श्रमिकों के लिए पेशान सहायता प्रदान करने की संभावना पर विचार करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कुशल और कड़ा कि यह योजना रोजगार को बढ़ावा देने और कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने

यूएस ओपन: अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें अर्धे भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला। रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें।

खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी



को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और

ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया।

तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। रूसी खिलाड़ी को फायदा होता दिख रहा था।

मुझे जिंदगी का मजा लेना पसंद है, वही कर रहा था: रजाउल्लाह

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन की वजह से आलोचना का शिकार बनी पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए एजबेस्टन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी राहत लेकर आई। पाकिस्तान की दूसरी पारी का मुख्य आकर्षण रजाउल्लाह रहे जिन्होंने लंबे-लंबे छक्के लगाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पाकिस्तान के लिए अपना पहला टेस्ट खेल रहे रजाउल्लाह नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने महज 63 गेंदों पर 9 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 81 रन की विस्फोटक पारी खेली। रजाउल्लाह की इस पारी ने पूरी सीरीज के दौरान निराशा के दौर से गुजर रही पाकिस्तान टीम और उसके फैंस को रोमांचित कर दिया।

रजाउल्लाह इंग्लैंड के उन तेज गेंदबाजों के खिलाफ बेरहम नजर आए, जिन्होंने पूरी सीरीज में

पाकिस्तान को बल्लेबाजों की हताशा में रखते हुए रन बनाने से रोकें रखा। रजाउल्लाह ने नौवें विकेट के लिए मोहम्मद अब्बास के साथ 121 रन की अहम साझेदारी करते हुए सीरीज में पहली बार पाकिस्तान के स्कोर 400 के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की दूसरी पारी 449 रन पर सिमटी। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रजाउल्लाह मुस्कुराते हुए नजर आए।

उन्होंने कहा, रमुझे स्टैंडिंग

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरबीआई से डिजिटल रुपी प्लेटफॉर्म की क्षमता और बढ़ाने का किया आग्रह

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से देश के डिजिटल रुपी (सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी-सीबीडीसी) प्लेटफॉर्म को और अधिक मजबूत तथा सक्षम बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आरबीआई को डिजिटल रुपए के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को और तेज करना चाहिए तथा थोक (व्होलेसेल) और खुदरा (रिटेल) दोनों प्रकार की डिजिटल मुद्रा के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

मुंबई में आयोजित 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026' के संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारत डिजिटल वित्तीय नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऐसे समय में डिजिटल रुपी की उपयोगिता और पहुंच को व्यापक



बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने आरबीआई से डिजिटल रुपए के मंच को और मजबूत करने तथा इसकी क्षमताओं को अगले स्तर तक ले जाने का आह्वान किया।

इस वर्ष आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट की थीम 'रपोटेंशियल टू इम्पैक्ट: एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन, क्वांटम- ट्रस्टेड, कनेक्टेड, ग्लोबल सिस्टम्स फॉर इन्क्लूसिव फाइनेंसर रही। इस संदर्भ

में बोलते हुए सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को 'दीर्घाी तलवार' बताया। उन्होंने कहा कि एआई जहां एक ओर धोखाधड़ी का पता लगाने में मदद करता है, वहीं दूसरी ओर इसका इस्तेमाल धोखाधड़ी बताया। उन्होंने भी किया जा सकता है। इसलिए नई तकनीकों के उपयोग के साथ मजबूत सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था भी जरूरी है। वित्त मंत्री ने

खाचानोव ने 6-4 की बढ़त बनाई और दो सेट पॉइंट हासिल किए, लेकिन ज्वेरेव ने अहम जवाब दिया और आखिरकार दो घंटे 57 मिनट के बाद सीधे सेटों में जीत हासिल की। जर्मनी के ज्वेरेव 6 साल बाद यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। पिछली बार 2020 में उन्होंने फाइनल में जगह बनाई थी और तब उन्हें डोमिनिक थिएस से हार का सामना करना पड़ा था। ज्वेरेव का यह छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल है।

वहीं, साल का यह उनका तीसरा फाइनल है। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले ज्वेरेव को विंबलडन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। अब उनके पास अपना पहला यूएस ओपन और दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका है।

सीपीएल: अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए।

अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीक्स का चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, विक्टन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।



त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद कफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिर कुमार ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की कफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा। इससे पहले टॉप गंवाकर पहले

बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीक्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरान पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि ड्वेन प्रिटोरियस और कलान इमरान ताहिर ने 1-1 विकेट लिए।

आरबीआई ने 1 लाख करोड़ रुपए के ओएमओ बॉन्ड की बिक्री की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में मौजूद अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने के लिए 1 लाख करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्डों की ओपन मार्केट सेल (ओएमओ) की घोषणा की है। केंद्रीय बैंक वित्त वर्ष 2028-29 से 2031-32 के बीच परिपक्व होने वाले बॉन्डों की बिक्री करेगा। यह कदम वित्तीय प्रणाली में बढ़ी हुई तरलता को नियंत्रित करने और अल्पकालिक ब्याज दरों को नीतिगत स्तर के करीब आगे रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

आरबीआई के अनुसार, बॉन्ड बिक्री तीन चरणों में की जाएगी। पहले चरण में 17 सितंबर 2026 को 50,000 करोड़ रुपए, दूसरे चरण में 21 सितंबर 2026 को 25,000 करोड़ रुपए और तीसरे चरण में 28 सितंबर 2026 को 25,000 करोड़ रुपए के बॉन्ड बेचे जाएंगे। यह

कहा कि भारत अपनी जनसांख्यिकीय ताकत का सफलतापूर्वक लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा कि देश ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली डिजिटल सार्वजनिक अवसरचनाओं में से एक का निर्माण किया है, जहां यूपीआई के माध्यम से अरबों लेनदेन हो रहे हैं। इसके साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत आज वास्तविक अर्थों में अपनी जनसं-स्थिकीय लाभार्श (डेमोग्राफिक डिविडेंड) की शक्ति का अनुभव कर रहा है और डिजिटल तकनीक इस परिवर्तन का प्रमुख आधार बन रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना अर्बन 2.0 20 लाख घरों के माइलस्टोन के पहुंचने के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र प्रधानमंत्री आवास योजना अर्बन 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) करीब 20 लाख घरों को मंजूरी देने के आंकड़े के करीब पहुंचे हैं। यह जानकारी सरकारी ओर से दी गई। अब तक करीब 18.77 लाख घरों को मंजूरी दी जा चुकी है और इससे शहरी गरीबों के लिए कफायती, सुरक्षित और पक्का घर सुनिश्चित हुआ है।

एक आधिकारिक बयान अनुसार, ये मंजूरियां हासभी के लिए घरछा की दिशा में एक अहम कदम हैं, जिससे ज्यादा शहरी परिवार सुरक्षित घर के मालिक बनने और बेहतर भविष्य बनाने की ओर बढ़ सकेंगे। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) ने पीएमएवाई-यू

2.0 के तहत कुल 18.77 लाख घरों को मंजूरी दी है, जिससे इस योजना के कार्यान्वयन को और बढ़ावा मिला है और शहरी क्षेत्रों में 'सभी के लिए आवास' की दिशा में प्रगति तेज हुई है। पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत मंजूर किए गए 18.77 लाख घरों में से 17.19 लाख घर (92 प्रतिशत) महिलाओं को आवंटित किए गए हैं।

एमओएचयूए के शहरी विकास विभाग के सचिव संतेंद्र सिंह ने कहा कि पीएमएवाई-यू 2.0 को समय पर और प्रभावी ढंग से लागू करने और उसकी निगरानी के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि इस योजना का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सके। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी तरह की रुकावटों की तुरंत पहचान

की जानी चाहिए और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बातचीत कर-के उन्हें दूर किया जाना चाहिए। पीएमएवाई-यू 2.0 का मकसद अपने अलग-अलग वर्टिकल के जरिए शहरी इलाकों में रहने वाले योग्य ईडब्ल्यूएस/एलआईजी और एमआईजी परिवारों को घर बनाने में मदद देना है।

सरकार के मुताबिक, इस स्कीम के तहत लाभार्थी अपना पक्का घर बना सकते हैं, स्कीम के तहत बने प्रोजेक्ट्स में घर खरीद सकते हैं, कफायती किराए के घर का लाभ उठा सकते हैं, या योग्य होम लोन पर ब्याज सब्सिडी का फायदा ले सकते हैं। इस तरह, उन्हें उनकी जरूरतों, पात्रता और आर्थिक हालात के हिसाब से कई तरह के हाउसिंग विकल्प मिलते हैं।



